शबनम और उसकी बेटियाँ-2

'दोस्तों आपको ये तो पता ही होगा कि मैं इन्दौर में रहता हूँ। आपने मेरी इस कहानी का पहला भाग पढ़ा, उसके शीर्षक में थोड़ी गलती हो गई थी, मेरी कहानी का शीर्षक "शबनम और उसकी दो बेटियाँ" हैं। मेरी कहानी की पात्र शबनम की दो बेटियाँ हैं, बड़ी बेटी

शमीम और छोटी बानो। शमीम [...] ...

Story By: (fuehrer)

Posted: Tuesday, April 12th, 2005

Categories: कोई मिल गया

Online version: शबनम और उसकी बेटियाँ-2

शबनम और उसकी बेटियाँ-2

दोस्तों आपको ये तो पता ही होगा कि मैं इन्दौर में रहता हूँ। आपने मेरी इस कहानी का पहला भाग पढ़ा, उसके शीर्षक में थोड़ी गलती हो गई थी, मेरी कहानी का शीर्षक "शबनम और उसकी दो बेटियाँ" हैं।

मेरी कहानी की पात्र शबनम की दो बेटियाँ हैं, बड़ी बेटी शमीम और छोटी बानो। शमीम के साथ मेरी चुदाई का सिनेमा हॉल का किस्सा आपको बता चुका हूँ, उस दिन के बाद मेरा नज़िरया उस परिवार के प्रति बदल चुका था। मैं अब बानो जो छोटी लड़की थी, की चुदाई के बारे में सोचा करता था, क्यों कि उसे बूब्स बहुत बड़े-बड़े थे। मैं अब भी उस परिवार में कभी-कभी ही जाया करता था। इस बीच मैं शमीम की २-३ बार उसके घर में ही चुदाई कर चुका था, जब वह घर पर अकेली थी। पर इस चुदाई में ज्यादा मज़ा नहीं आता था क्यों कि ये डर लगा रहता था कि कहीं कोई आ न जाये। ख़ैर अब आपको छोटी लड़की बानो की चुदाई के बारे में बताता हूँ।

एक बार मैं गर्मी की दोपहर में उनके घर गया, दरवाजा बानो ने खोला, वो उस दिन कुछ ज्यादा ही सेक्सी लग रही थी, उसको शायद यह भी मालूम हो गया था कि मैं उसकी बड़ी बहन के साथ कुछ कर चुका हूँ। मैं घर में अन्दर गया, उसने दरवाज़ा बन्द कर दिया। मैंने उससे पूछा कि बड़ी बहन कहाँ पर हैं तो उसने कहा कि सब लोग पास के गाँव में गये हुए हैं और करीब ९ बजे तक लौटेंगे। मेरी नीयत उसके ऊपर बिगड़ी तो थी ही, मैंनो सोचा क्यों ना आज इसके ऊपर भी ट्राई किया जाये।

मैं कुर्सी पर बैठ गया और उसे पानी पिलाने को बोला। वो पानी लेकर आई तो जान-बूझकर मैं इस तरह से खड़ा हुआ कि पानी का गिलास उसके हाथ से छूटकर नीचे गिर गया। उसने सॉरी बोला और दूसरा गिलास लेने चली गई, दूसरा गिलास लेकर उसने मुझे दिया और फर्श पर गिरा पानी साफ करने लगी। जब वह नीचे झुकी तो उसके कुर्ते में से उसके बड़े-बड़े मम्मे दिखने लगे, उसको शायद महसूस हो गया कि मेरी निगाहें उसके बूब्स पर हैं, फिर भी वो लापरवाही से पानी साफ करती रही, इससे मेरी हिम्मत कुछ बढ़ गई। एक तो अकेलापन और गर्मी की आलस भरी दुपहरी, इससे शायद उसमें भी सेक्स के प्रति कुछ भाव पैदा होने लगा था।

मैंने उससे पूछा कि तुम क्या कर रही थी, तो उसने बताया कि वह अभी कपड़े धोकर आई है, अभी उसको नहाना है। मैंने उसे बताया कि मुझे अभी २-३ घण्टे कोई काम नहीं है, इसलिए मैं यहीं बैठता हूँ, तुम नहा लो। ऐसा कहकर मैं पलंग पर बैठ गया और वो नहाने चली गई, बाथरूम उसी कमरे से अटैच्ड था।

थोड़ी देर में बाथरूम से पानी गिरने की आवाज़ आने लगी, मैं समझ गया कि वो नहा रही है। मैंने धीरे से बाथरूम की किवाड़ में एक छेद से देखा तो वो क्या गज़ब लग रही थी! एकदम नंगी चिकना और गोरा बदन, कभी अपने बूब्स मसलती और कभी चूत पर पानी की धार गिराती। मेरा तो लण्ड तनकर खड़ा हो गया और मैं उसकी चूत में लण्ड डालने के बारे में सोचने लगा। मैंने उसे नंगी नहाते हुए करीब बीस मिनट तक देखा।

फिर उसने पानी बन्द कर अपना बन्द तौलिये से पोंछना शुरू कर दिया। वह अपने बूब्स और चूत को ज्यादा ही मसल रही थी, उसको ऐसा करते देख कर मेरे लण्ड का तो बुरा हाल हो गया पर कुछ तरकीब समझ नहीं आ रही थी कि उसे कैसे चोदूँ। लेकिन आज की तरह मौका फिर नहीं मिलेगा यह सोचकर मैं उपाय खोजने लगा। जब उसने कपड़े पहनने शुरू कर दिये तो मैं बाथरूम से हटकर पलंग पर लेट गया। करीब ३ मिनट के बाद वो आई, उसने मुझे लेटे हुए देखा तो मुझसे पूछा कि क्या हुआ आप लेटे हुए क्यों हो? मैंने कहा कि मेरा सिर दर्द कर रहा है। तो उसने कहा कि मैं आपके लिए चाय बना लाती हूँ, मैंने कहा अगर तुम नहा चुकी हो तो चाय मत बनाओ, यहाँ मेरे पास बैठे और मेरा सिर दबा दो, उसने मेरी बात मान ली और पलंग के किनारे पर बैठ कर मेरा सिर दबाने लगी। एक तो वो नहाकर आई थी, और उसकी मादक गंध और तनहाई ने मुझे बहुत उतावला बना दिया था, जिससे मेरा लण्ड भयंकर रूप से मुझे परेशान करने लगा था। मैंने उससे कहा कि वो ऊपर पलंग पर बैठ जाये और मेरे सिर को अपने गोद में रख ले, उसने मेरी बात मान ली और पलंग के ऊपर बैठकर मेरा सिर उपनी गोद में रख लिया। अब मुझे लगने लगा था कि मैं इसको आज चोद लूँगा। उसने मेरे सिर पर हाथ फेरना शुरू कर दिया। मैं धीरे-धीरे उसकी गोद में समाने लगा, जिससे मेरा सिर उसके बूब्स से छूने लगा, उसे भी शायद अच्छा लग रहा था।

थोड़ी देर सिर दबाने के बाद मैंने उससे पूछा कि उसका मेरा सिर दबाना कैसा लग रहा है तो उसने कहा कि अच्छा लग रहा है। मैंने उससे कहा कि अब तुम लेटो, मैं तुम्हारा सिर दबा देता हूँ। वो बोली, मेरा तो सिर नहीं दुख रहा है। पर मैंने कहा कि तुमने मेरा सिर दबाया, इसलिए मेरा भी फर्ज़ बनता है कि मैं अब तुम्हारा सिर दबाऊँ। मैंने ज़ोर दिया तो वह लेट गई। मैंने उससे कहा कि तुम मेरी गोद में अपना सिर रख लो, मुझे भी अच्छा लगेगा, उसने वैसा ही किया। मैं उसका सिर दबाने लगा, और धीरे-धीरे उसके गालों को भी सहलाने लगा, वह कुछ नहीं बोली। मेरी हिम्मत बढ़ गई, मैंने उसका एक हाथ मेरे हाथ में ले लिया। प्र मिनट तक सर दबाने और हाथ सहलाने के बाद, मैंने उसके कंधों पर भी अपने हाथ फेरने शुरू कर दिये, उसे अच्छा लग रहा था, इसलिए वह चुपचाप रही, मेरी हिम्मत और भी बढ़ी, और मेरे हाथ अब उसके कंधे से हटकर उसके बूब्स को भी छूने लगे। वो भी चुपचाप मेरे सहलाने का मज़ा लेने लगी।

अब मुझे अपनी मेहनत सफल होती दिख रही थी, मैंने उसके बूब्स दबाने शुरू कर दिया और उसकी बगल में लेट गया। धीरे से उसे अपनी ओर किया और उसके होठों पर किस किया। उसने मेरा हाथ झटक दिया, पर वो वहाँ से हटी नहीं। मैंने फिर उसको ज़बर्दस्ती पकड़ा और अपनी बाँहों में कस लिया। दोस्तों स्वर्ग का अनुभव हो रहा था। उसने फिर ज्यादा कसमसाहट नहीं की और मेरी बाँहों में समा गई, बोली आई लव यू।

फिर क्या था, मैं उसके ऊपर सवार हो गया और उसको किस करने लगा। मैंने उसके कपड़े उतार दिये और उसको ब्रा-चड्डी मे ले आया। फिर चड्डी छोड़कर मैंने मेरे कपड़े भी उतार दिये। अब हम एक दूसरे को किस करने लगे। उसने मेरा लण्ड पकड़ लिया, मैं उसकी चूत में ऊँगली डालने लगा, तो वह चीखने लगी और आआआहहह... ओओओहह करने लगी। मैंने उसकी ब्रा और चड्डी भी उतार दी और खुद भी नंगा हो गया। वो नंगी क्या लग रही थी, उसके बूब्स इतने बड़े-बड़े थे कि देखने में ही ज्यादा मज़ा आ रहा था।

मैंने उसे पलंग पर लिटा दिया और उसके मम्मे पीने लगा, वो मेरे लण्ड से खेलने लगी। काफी देर तक मैं उसके दोनों बूब्स दबाता और पीता रहा, थोड़ी देर बाद उसने मेरे लण्ड को अपनी चूत की तरफ खींचना शूरू कर दिया, मैं समझ गया कि इसको अब मेरा लण्ड चाहिए। मैं उठकर उसके घुटनों के पास बैठ गया और उसकी चूत में अपनी ऊँगली डाल दी, क्या चूत थी, बिल्कुल मुलायम बालों से घिरी हुई। अन्दर से शहद जैसा माल बाहर आ रहा था। जी करता था कि खा जाऊँ, पर उसको मेरा लण्ड लेने की जल्दी लगी हुई थी। मैंने अपना लण्ड उसकी चूत में डाल दिया और उसके ऊपर लेट गया और धक्के लगाने शुरू कर दिये।

दो नंगे बदन एक दूसरे में गुँथे हुए थे। उसकी सिसकारी की आवाज़ आ रही थी, मैंने धक्के की स्पीड बढ़ा दी, कुछ ही देर में लगा कि मेरा माल निकल जाएगा तो मैं रूक गया। उसने पूछा कि क्या हुआ, क्यों रूक गये तो मैंने उससे कहा कि अभी तेरे बूब्स दबाने बाकी हैं। मैंने उसे किस्स करना फिर से शुरू कर दिया और दोनों को ऐसे दबाया जैसे कि मैं उनका कचूमर बनाना चाहता हूँ। वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी। मैंने उसको बताया कि मैंने उसे

बाथरूम में नंगी नहाते हुए देखा है, तो वो हँसने लगी, बोली- तुम्हारी नियत तो पहले से ही मुझपर खराब है।

दोस्तों, मैं ऐसे आनन्द में था कि उससे निकलने की इच्छा ही नहीं हो रही थी, पर ऐसा होता नहीं। सेक्स की चरम सीमा अपना माल निकल जाने पर ही होती है। मैंने फिर से धक्के लगाने शुरू कर दिये। वो भी नीचे से कमर उछाल कर मेरा साथ दे रही थी। चूत और लण्ड का संघर्ष चल रहा था। उसकी चूत से निकले पानी से मेरा लण्ड सराबोर था। फच्च-फच्च की आवाजें आ रहीं थीं। प्र मिनट धक्के लगाने के बाद उसने मुझे कुछ ज्यादा जोर से कस लिया, मैं समझ गया कि ये अब जाने वाली है। मैंने भी धक्कों की गति तेज़ कर दी और १४-२० धक्कों के बाद इधर मेरे लण्ड ने अपना माल निकाल और उधर नीचे उसकी चूत भी पानी छोड़ने लगी।

क्या आनन्द था! काफी देर तक हम एक दूसरे की बाहों में समाये किस करते हुए नंगे ही पड़े रहे। उसकी चूचियाँ पीते हुए एक बार फिर मेरा लण्ड खड़ा हो गया। मैंने उससे कहा कि तुम मेरा लण्ड चूसो, मैं तुम्हारी चूत चूसता हूँ। हम ६९ की पोज़ीशन में आ गये। मैं नीचे और वो ऊपर। उसकी इच्छा फिर से होने लगी, वो मेरा लण्ड अपने मुँह में लेकर उसको लॉलीपॉप की तरह चूसने लगी और मेरे मुँह पर अपनी चूत ज़ोर-ज़ोर से रगड़ने लगी।

प्र मिनटों तक एक-दूसरे के लण्ड-चूत का स्वाद लेने के बाद वो लेट गई, और बोली कि फिर डाल दो। मैंने पूछा क्या, तो बोली लण्ड डाल दो। फिर मैंने पूछा, किसमें, तो बोली कि मेरी चूत में। मैंने उसकी टाँगें चौड़ी कीं और अपना लण्ड फिर उसकी चूत में डाल दिया। अबकी बार मुझे मेरा माल निकल जाने की बिल्कुल भी टेन्शन नहीं थी। मैंने तेज़-तेज़ धक्के देने शुरू कर दिये, वो अजीब सी आवाज़ें निकालने लगी। करीब २० मिनट की चुदाई के बाद मैंने अपना माल उसकी चूत में ही छोड़ दिया। उस दौरान उसकी चूत ने दो बार पानी छोड़ा।

हमने थोड़ी देर तक पलंग पर लेटे रहने के बाद, अपने-अपने कपड़े पहने। फिर एक दूसरे की बाहों में काफी देर तक बैठे रहे, चाय भी पी, उसके बाद करीब पाँच बजे मैं उससे फिर आने का वादा करके और एक चुदाई और करके वहाँ से निकला।

तो दोस्तों, कैसा लगा आपको मेरा ये किस्सा ? पर ये हकीक़त है और वासना का ऐसा मायाजाल जिसको आप सुनकर ताज्जुब करेंगे। आपको अगली बार बताऊँगा कि कैसा मैंने इन दोनों बेटियों और इनकी माँ शबनम को एक ही बिस्तर पर पूरी रात चोदा। आपके मेल का इन्तज़ार रहेगा। मुझे आज भी नई चुदाई का शौक है। मेरा मेल आई-डी है:

fuehrer@in.com

Other stories you may be interested in

अमेरिका में साली की चूत गांड चोद दी-3

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैंने अपनी साली राखी की चूत चुदाई कर डाली थी. मेरी बरसों की तमन्ना पूरी हो गई थी. उसकी चूत की चुदाई होने के बाद उसको भी अहसास हो गया था कि [...]
Full Story >>>

बस में मिली राजस्थानी भाभी की चुदाई स्टोरी

नमस्कार दोस्तो, मेरी पिछली चुदाई स्टोरी फुफेरी भाभी को दारू पिला कर चोदा के लिए कई सारे ईमेल आए, जिसमें ज्यादातर ईमेल भाभी की पिक्चर मांगने के लिए थे. मैं माफ़ी चाहता हूं, मैं किसी की पर्सनल पिक्चर नहीं दे [...]

Full Story >>>

लंड की प्यासी सेक्सी भाभी के साथ जंगली सेक्स

चूत के प्यासे लौड़ों और लंड की प्यासी गर्म चूत वाली भाभियों को मेरा प्रणाम। मेरा नाम राज है और कहानी शुरू करने से पहले मैं आपको अपने बारे में हल्का सा परिचय दे देता हूं. कहानी का पूरा मजा [...] Full Story >>>

गर्म भाभी की चुदाई स्टोरी

कैसे हो दोस्तो, मैं शिवम एक बार फिर से हाजिर हूं एक नई चुदाई स्टोरी के साथ. मेरी पिछली कहानी मैं उसकी चूत का हीरो को आपने प्यार दिया, उसके लिए शुक्रिया. अब मैं सीधा आज की चुदाई स्टोरी पर [...] Full Story >>>

ट्रेन में मिली हॉट मॉडर्न भाभी की चूत चुदाई

नमस्कार दोस्तो, आपको मेरी कहानी कंप्यूटर सीखने के बहाने सेक्स का खेल अच्छी लगी. इसके लिए आपने मुझे जो मेल भेजे और सेक्स कहानी को लाइक किया, उसके लिए आप सभी का धन्यवाद. मैं प्रकाश, दिखने में अच्छा हुँ. मेरा [...]

Full Story >>>